Class – VI

Ch= 7

गोभी का फूल

मौखिक :-

क. बाजार के सभी सब्जीवाले बाबू हनुमान प्रसाद को क्यों पहचानते थे?

उत्तर:- बाबू हनुमान प्रसाद सब्जी खरीदते समय हरे धनिए की गड्डी मुफ्त में माँगते, शलजम के पत्ते तुड़वाकर तुलवाने का आग्रह करते, आलू छाँट-छाँटकर चढ़वाते और अरवी धुलवाकर मिट्टी हटाकर लेते थे और बहुत मोल-भाव करते थे, इसलिए बाजार के सब्जीवाले उन्हें पहचानते थे।

ख. हनुमान प्रसाद ने लेखक को गोभी के फूल के बारे में क्या समझाया?

उत्तर:- हनुमान प्रसाद ने लेखक को समझाया कि गोभी का फूल जरा गठा हो, क्योंकि ढिला फूल जल्दी खराब हो जाता है, फूल में पत्ते होने चाहिए, फूल पानी में भीगा न हो, फूल झड़वाकर ले ताकि उसके कीड़े निकले जाएँ।

ग. गोभी का झाबा डिब्बे के अंदर कैसे लाया गया?

उत्तर:- डिब्बे में भीड़ होने के कारण झाबा धीरे-धीरे करके अंदर लाया गया। इस कोशिश में दो फूल प्लेटफॉर्म से खिसककर रेल की पटरी पर गिर गए।

घ. लेखक कुली पर क्यों बिगड़ा?

उत्तरः- गोभी का झाबा ठसाठस भरा ट्रेन में चढ़ाते समय कुली से दो गोभी के फूल पटरी पर गिर गए इसलिए लेखक कुली पर बिगड़ा।

ङ. गाड़ी के अंदर का दृश्य कैसा था?

उत्तरः- गाड़ी के अंदर का दृश्य निराला था। गोभी के झाबे को हटाने के लिए लोग अलग-अलग राय दे रहे थे पर कोई भी अपनी जगह से तिलभर भी हिलने को तैयार न था।

लिखित :-

क. हनुमान प्रसाद को हरी सब्जी का मर्ज था - कैसे?

उत्तरः- हनुमान प्रसाद जी को हरी सब्जी का मर्ज था क्योंकि किस सब्जी में कितना विटामिन होते हैं, कितना लोहा, कितना चूना, कितना कत्था, कितनी लकड़ी, कितनी ईंट इसका जितना ज्ञान किसी को शायद नहीं था।

ख. गोभी के फूल लाने में लेखक किन-किन ~~उत्तरः~~ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

उत्तरः- गोभी के फूल लाने में लेखक को बहुत सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। सबसे पहले सब्जी मंडी में घुसकर मोलभाव किया, गोभी के झाबे को गाड़ी में चढ़ाने के लिए मशक्कत करनी पड़ी, कुली से झगड़ा किया, रेल के डिब्बे में झाबे पर चढ़ते लोगों को सचेत करते रहना पड़ा।